प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हायर सेकण्डरी

कक्षा :– XI **पूर्णांक :– 100**

विषय :– हिन्दी विशिष्ट **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्यांश की व्याख्या, कवि परिचय सौन्दर्य बोध एवं विषयवस्तु पर प्रश्न, पद्य का इतिहास	27	5	3	2	–	5
2.	**गद्य खण्ड –** गद्यांश की व्याख्या, लेखक परिचय, विषयवस्तु पर प्रश्न एवं गद्य इतिहास	23	5	2	2	–	4
3.	**सहायक वाचन –** विविध पाठों पर प्रश्न	10	5	–	1	–	1
4.	**भाषा बोध –** शुद्ध वाक्य रचना, विराम चिन्ह एवं भाव विस्तार	10	5	–	1	–	1
5.	**काव्य के तत्व –** काव्य के भेद, छंद, अलंकार	10	5	–	1	–	1
5.	**अपठित –** गद्यांश/पद्यांश	05	–	–	1	–	1
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
8.	**निबन्ध लेखन –**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**05**	**09**	**01**	**15+5 = 20**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न-पत्र

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

निर्देश :–

1. आरंभ में दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न सर्वप्रथम हल करें–
2. प्रश्न क्रमांक– 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न के लिए **5 अंक** (1X5X5 = 25) निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रमांक – 6 से 10 तक के लिए **4 अंक** निर्धारित है।
4. प्रश्न क्रमांक –11 से 19 तक के लिए **5 अंक** निर्धारित है।
5. निबंधात्मक प्रश्न क्रमांक 20 के लिए **10 अंक** निर्धारित हैं।

प्रश्न क्र. (1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न – (1X5X5 = 25)

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गए विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए :–

1. शिरीष का फूल .... में फूलता है। ग्रीष्म/वर्षा
2. धूपगढ़ .... में स्थित है। पचमढ़ी/अमरकटंक
3. भूषण ने अपने काव्य में ....की वीरता का वर्णन किया है। छत्रसाल/लक्ष्मीबाई
4. सूर के पदों को ....काव्य कहते हैं। मुक्तक/प्रबन्ध
5. दिनकर की कविता में .... मिलता है। ओज/माधुर्य

प्रश्न 2. दिये गए कथन के लिये सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

1. उत्साह के साथ संचरण होता है –

   (1) गर्व, (2) वीरता भाव, (3) लज्जाभाव, (4) कर्म संकल्प

2. मर्यादा एकांकी में निहित है–

   1. सामाजिक आदर्श 2. पारिवारिक आदर्श

   3. सांस्कृतिक आदर्श 4. धार्मिक आदर्श

3. आजादी की लड़ाई में बड़े घर का आशय था –

   i) महल ii) जेल खाना

   iii) बड़ी हवेली iv) विशाल भवन

4. स्नेहबंध कहानी में किस गुण के कारण बहू, बेटी जैसी लगती है–

   i) सुन्दरता ii) आदरभाव

   iii) सेवा–सुश्रुषा iv) आज्ञाकारिता

5. कवि पंत ने नौका–विहार किया था –

i) प्रातःकाल ii) दोपहर

iii) रात्रि काल iv) चांदनी रात

प्रश्न 3. सही जोड़ी का मिलान कीजिए –

1.	"मेरे बचपन के दिन" पाठ.........	– उड़ीसा में।
2.	सेनापति ने बसंत को	– विद्या
3.	वह सम्पत्ति जो व्यय करने से बढ़ती है	– व्यंग्य विधा
4.	हरिशंकर परसाई प्रसिद्ध लेखक है	– ऋतुराज कहा है।
5.	कोणार्क का सूर्य मंदिर स्थित है	– संस्मरण विधा है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्य सत्य है या असत्य, वाक्य के आगे लिखिए –

1. उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है।
2. पचमढ़ी को सतपुड़ा का गौरव कहा गया है।
3. फूल की अभिलाषा देवताओं पर चढ़ाए जाने की होती है।
4. राधा विरह का दुःख भुलाने के लिए समाज सेवा करती है।
5. दुष्यन्त कुमार ने उर्दू में गजलें लिखीं।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों का उत्तर एक शब्द में दीजिए –

1. कौआ और कोयल में क्या समानता है ?
2. हिन्दी निबन्ध का विकास किस युग में हुआ ?
3. धर्मपद कौन था ?
4. जननी और जन्मभूमि किससे अधिक श्रेष्ठ है ?
5. यमदूत को किसने चकमा दिया था ?

प्रश्न 6. कवि दिनकर कैसे समाज की रचना करना चाहते है 4

अथवा

दुष्यंत कुमार की गजलों की विशेषताएँ लिखिये।

प्रश्न 7. केशव की रामचंद्रिका में अंगद–रावण संवाद अधिक सुन्दर और प्रभावशाली है स्पष्ट कीजिये। 4

अथवा

कवि वृन्द्र के संकलित दोहों के आधार पर उनके नीति सम्बंधी विचार लिखिये।

प्रश्न 8. भक्ति काल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णिम काल क्यों कहा गया है। 4

अथवा

रीति काल की किन्ही तीन विशेषताओं का उल्लेख करते हुए प्रमुख दो कवि और उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिये।

प्रश्न 9. रामेश्वर मंदिर के पास डॉ0 कलाम की शामें किस प्रकार व्यतीत होती थी पाठ के आधार पर लिखिये। 4

अथवा

शिरीश और अमलतास में कोई चार अन्तर बताइए।

प्रश्न 10. हिन्दी कहानी की सर्वामान्य परिभाषा बताते हुए कहानी के प्रकार बताइए। 4

अथवा

भक्तिकाल की प्रमुख शाखाएँ कौन सी हैं ? किसी एक शाखा का परिचय तथा प्रमुख कवि बताइए।

प्रश्न 11. तुलादान के समय तराजू के पलड़े सम पर कैसे आए ? 5

अथवा

सूदखोर किस प्रकार दूसरों का शोषण करते हैं ?

प्रश्न 12. (अ) निम्न गद्यांश में उचित विराम चिन्ह लगाइए। 3+2 (5)

उन्होंने जवाब नहीं दिया मैं उठी पानी गरम किया रूई में हींग की डली लपेटकर उसे जलाया फिर प्लेट में अजवायन काला नमक हींग और गरम पानी लेकर इनके पास आई वे मना करते रहे पर जब मैं बार–बार आग्रह करने लगी तो चिढ़कर बोले जरा बात तो समझा करो वैसा दर्द नहीं है भाई

(ब) वाक्य शुद्ध कीजिए – (कोई दो)

क. उसने एक फूल की माला पहनी है।

ख. गाँधीजी पक्के ईश्वर के भक्त थे।

ग. सीता एक विद्वान छात्रा है।

प्रश्न 13. (अ) संदेह एवं भ्रांतिमान अंलकारों में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 3+2 (5)

अथवा

विरोधाभास अंलकार किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।

(ब) घनाक्षरी अवथा मन्दाक्रान्ता छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 14. "सूरदास" अथवा "रामधारीसिंह दिनकर" में से किसी एक कवि का परिचय दिये गये बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – 5

अ. दो रचनाएं।

ब. भावपक्ष एवं कला पक्ष

स. साहित्य में स्थान

प्रश्न 15. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा हरिशंकर परसाई में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय दिये गये बिन्दुओं के आधार पर लिखिए। 5

अ. दो रचनाएं

ब. भाषा–शैली

स. साहित्य में स्थान

प्रश्न 16 निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की व्याख्या संदर्भ व प्रसंग सहित लिखिए– 5

कारज धीरे होतु है, काहै होत अधीर।
समय पाय तरुवर फलै, केतक सींचो नीर।।
ओछे नर के पेट में रहे न मोटी बात।
आध सेर के पात्र में कैसे सेर समात।।

अथवा

रोज जब रात को बारह का गजर होता है
यातनाओं के अंधेरे में सफर होता है
कोई रहने की जगह है मेरे सपनों के लिये
वो घरोंदा सही, मिट्टी का भी घर होता है।

प्रश्न 17. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की व्याख्या प्रसंग व संदर्भ सहित लिखिए – 5

"यह साँझ पृथ्वी को अमृत सोम, शीतलता और दुग्ध धार देने वाली है। यह बनैले पशुओं की जागरण बेला है। इसमें मनुष्य जीवन की अलस भरी है, तो हिंस्त्र पशुओं की अंगड़ाई भी है। मनुष्य और मनुष्येत्तर जीव इसकी अतिथि शाला में विश्राम कर सूर्य की पहली किरण के साथ पुनः धरती को नापने हेतु उत्सुक होते है, जो जंगल राज का राजा अपनी कर्णभेदी दहाड़ से सारसवर्णी जीवों की साँसोच्छेदन में भी तत्पर होता है।

अथवा

वह सारे जीवन का प्रतिबिंब है। देखो हमारे कोणार्क देवालय को आँखे भर कर देखो। यह मंदिर नहीं सारे जीवन की गति का रुपक है। हमने जो मूर्तियाँ उसके स्तंभो, इसकी उपपीठ और अधिस्थान में अंकित की है उन्हें ध्यान से देखो। देखते हो उनमें मनुष्य के सारे कार्य उसकी सारी वासनाएं, मनोरंजन और मुद्राएं चित्रित है। यही तो जीवन है।

प्रश्न 18. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 5

यह धरती लाखों वर्ष पुरानी है। बहुत दिनों तक इसमें कोई आदमी न था। एक समय ऐसा था कि इस धरती पर कोई जानदार चीज न थी। आज यह दुनिया हर तरह के आदमियों और जानवरों से भरी है। एक समय ऐसा था जब धरती बहुत गरम थी, इसलिए कोई जानदार चीज इस पर नहीं रह सकती थी। यह सब बाते हमें किताबों से मिली है। इसलिए हमें पुस्तकों को मित्र बनाना चाहिए ताकि हम अतीत की जानकारी के साथ भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सके।

अ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
ब. यह धरती कितने वर्ष पुरानी है?
स. हमें दुनिया की जानकारी प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए।
द. भविष्य एवं पुरानी शब्दों का विलोम लिखिए।
इ. मित्र शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न 19. अपने मित्र को आपके गाँव में आई बाढ़ की भयावहता का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

क्रिकेट मैच देखने जाने हेतु प्राचार्य से अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 20. किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

1. राष्ट्रहित में युवाओं का योगदान।
2. दूरदर्शन के कार्यक्रमों की सार्थकता।
3. आतंकवाद की समस्या।
4. जल, जंगल, जमीन संरक्षण–हमारा योगदान।

आदर्श उत्तर

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर संकेत – क्रमानुसार

उत्तर 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति – 5X5=**25**

1. ग्रीष्म 2. पचमढ़ी 3. छत्रसाल 4. मुक्तक 5. ओज

उत्तर 2. सही विकल्प चुनिए –

1. कर्म संकल्प 2. पारिवारिक आदर्श 3. जेल जाना

4. सेवा–सुश्रुषा 5. चांदनी रात

उत्तर 3. सही जोड़ी मिलान कीजिए–

1. संस्मरण 2. ऋतुराज 3. विद्या

4. व्यंग्य विधा 5. उड़ीसा

उत्तर 4. सत्य या असत्य बताइए–

1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य

4. सत्य 5. असत्य

उत्तर 5. एक शब्द में उत्तर –

(1) वर्ण की समानता

(2) भारतेन्दु युग

(3) शिल्पी

(4) स्वर्ग से

(5) भोलाराम के जीव ने

त्तर 6. प्रगतिवादी विचारधारा से प्रेरित दिनकर जी को इस समाज की वर्ग विषमता से कष्ट होता है। इनका कहना है कि निर्धन, किसानों, दलितों एवं मजदूरों के बलिदान से विशाल भवन उद्योग आदि खड़े हो रहे हैं। वे बेचारे दो समय के भोजन के लिए मोहताज है। इसलिए वे ऐसे समाज की रचना चाहते है जहाँ धनी–निर्धन, ऊँच–नीच, धर्म या सम्प्रदाय का भेद न हो सभी प्रेमभाव से हिल–मिल कर रहें। उनमें पारस्परिक किसी प्रकार की कटुता, द्वेष आदि विकार न रहे। **(4)**

अथवा

दुष्यन्त कुमार की गजलों की विशेषताएँ –

(1) सामाजिक यथार्थ का चित्रण – उनकी रचनाओं में समाज की विषमता जन्य समस्याओं का चित्रण मिलता है

(2) दीन–हीन की पीड़ा का वर्णन – निम्न वर्ग की विभिन्न यातनाओं, कष्टों का सजीव अंकन उन्होंने किया है।

(3) संघर्षशील होने की प्रेरणा – वे पलायनवादी नहीं है। परिस्थितियों से टकराना चाहते है।

(4) स्वाभाविक अभिव्यक्ति – भाषा सरल, सपाट, सीधी होने के कारण उनकी अभिव्यक्ति में स्वाभाविकता है।

उत्तर 7. केशव की रामचन्द्रिका में अंगद रावण संवाद बहुत ही प्रभावशाली हैं। उनके संवाद सजीव तथा वाकचातुर्थ से भरपूर हैं। जितनी तत्परता से प्रश्न किया जाता है। प्रत्युत्तर भी उतना ही सटीक और सूझ–बूझभरा होता है। भरपूर व्यंग्य, संक्षिप्तता, स्वाभाविकता, पात्रानुकूलता आदि का अद्‌भुत संयोग उनमें स्वतः आ गया है। **(4)**

उदाहरण – 'तु पै धनुरेख गई न तरी'

पूँछ जरी न जरी, जरी लंक जराई जरी

अथवा

वृंद कवि ने नीति विषयक दोहे अनेक प्रसंगों में लिखे हैं। उनके अनुसार निरन्तर उद्यम को कभी नहीं छोड़ना चाहिए जैसे बादलों को देखकर घड़ा नहीं फोड़ा जाता वैसे पराई आशा में परिश्रम नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार खर्च करने, उत्तम विद्या ग्रहण करने, निरन्तर अभ्यास करने की सीख भी दी। वृन्द के अनुसार अज्ञान होने पर कीमती वस्तु को नष्ट करने से रोकना असंभव है तथा वाणी से ही व्यक्ति की पहचान होती है। अपने दोहों में इन्हीं नीति वाक्यों को उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत किया हैं।

उत्तर 8. भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है क्योंकि – **(4)**

1. लोक मंगल व समन्वय की भावना।
2. भक्तिभाव का प्राधान्य
3. स्वान्त सुखाय काव्य साधना
4. भाव एवं कला पक्ष का सुन्दर समन्वय
5. सहज भाव, आडम्बर रहित रचनाएँ

इन्हीं सब विशेषताओं से युक्त होने के कारण तथा पर्याप्त विविधता पूर्ण काव्य सृजन के कारण इस काल को साहित्य का स्वर्ण युग कहा जाता है।

अथवा

रीतिकाल की विशेषताएँ –

1. कलापक्ष की प्रधानता, श्रृंगाररस की प्रधानता / छंद, कवित्त, दोहा, सवैया का प्रयोग किया गया।
2. नायक–नायिका का रूप–सौन्दर्य चित्रण, (नख–शिख, वर्णन)
3. लौकिक श्रृंगार की व्यंजना।
4. प्रकृति का उद्दीपन रूप में चित्रण।

कवि – 1. बिहारी – बिहारी सतसई

2. भूषण – शिवाबावनी, छत्रसाल दशक

उत्तर 9. डॉ0 कलाम अपने बचपन की स्मृतियों को पुनः जाग्रत करते हुए कहते है कि रामेश्वर मंदिर के पास डॉ0 कलाम की शाम बड़े आनंद के साथ व्यतीत होती थी। मंदिर के आसपास घूमना चाँदनी रात में चमकती मिट्टी और नृत्य करती हुई समुद्री लहरें, अनंत आकाश के टिमटिमाते तारों का प्रकाश, समुद्र में डूबता हुआ क्षितिज अत्यन्त आनंददायी एवं मनमोहक दृश्य था। इस प्रकार शाम का समय मानों प्रकृति की गोद में मंदिर के सुखद वातावरण के साथ आनंदपूर्ण एवं अविस्मरणीय था। जब कभी इसका स्मरण मानस पटल पर आता तो वे बड़े ही आत्म विभोर हो उठते थे। **(4)**

अथवा

(1) शिरीष का वृक्ष छायादार होने के साथ–साथ अत्यंत सुन्दर भी होता है। यह गर्मियों में फूलता है। उसे कालजयी अवधूत भी कहा जाता है। इसका श्रृंगारिक वर्णन कवि कालीदास ने अपने काव्य में किया है।

(2) अमलतास केवल बंसत ऋतु में 15–20 दिन के लिए पलाश की भाँति फूलता है। परन्तु शिरीष के फूल आषाढ़ मास तक निश्चित रूप से मस्त बनें रहते हैं।

(3) इसलिए शिरीष के फूल जितने सुखद् और मनोरम एवं सरस होते है, उतने अमलतास के नहीं।

उत्तर 10. हिन्दी कहानी की सर्वमान्य परिभाषा – **(4)**

प्रेमचन्द्र के अनुसार ''कहानी ऐसा रमणीक उद्यान नहीं जिसमें भाँति–भाँति के फूल बेल–बूटे सजे हों, बल्कि वह एक गमला है जिसमें एक ही पौधे का माधुर्य अपने समुचित रूप में दृष्टिगोचर होता है।''

कहानी के प्रकार– (1) घटना प्रधान कहानी

(2) चरित्र प्रधान कहानी

(3) वातावरण प्रधान कहानी

(4) भाव प्रधान कहानी

अथवा

भक्तिकाल की प्रमुख धाराएँः—

1. निर्गुण काव्य धारा – 1. ज्ञानमार्गी 2. प्रेममार्गी

2. सगुण काव्य धारा – 1. रामभक्ति शाखा 2. कृष्ण भक्ति शाखा

सगुण काव्य धाराः— रामभक्ति शाखा में वैष्णव मत को स्वीकार कर विष्णु के अवतार रूप को महत्त्व दिया गया। इसमें "राम" के अवतारी रूप जीवन चरित्र को आधार बनाया गया। इसके माध्यम से समाज को आदर्श मूल्यों गुणों सामाजिक पारिवारिक मूल्यों की शिक्षा दी। प्रमुख कवि – महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ग्रंथ– "रामचरित मानस"

उत्तर 11. नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के तुलादान के अवसर पर सिंगापुर के निवासियों में महिलाओं के सौभाग्य चिह्न एवं स्वर्ण राशि भी तुला के पलड़े को सम पर नहीं लाए तभी एक वृद्धा अपनी छाती से लगाए हुए एक सुन्दर चित्र लेकर आई। वृद्धा ने कहा यह मेरे पुत्र का चित्र है जो आजादी के लिए समर्पित हो गया। उसने सोने के चौखटे को तुलादान के पलड़े में चढ़ाया तो तुला का कांटा सम पर आ गया।

सुभाष उठे और उस वृद्धा के चरणों का स्पर्श करते हुए कहा "हे माँ आप जैसी माताओं के कारण मैं धन्य हो गया"। **(5)**

अथवा

महाजन एक सेर अनाज की जगह पांच सेर गेहूँ का ऋण वसूलता है। सूद में सारे जीवन भर की मजदूरी कराता है, बेगार लेता है। अन्त में बीस वर्ष की बंधुआ मजदूरी में, रोगी होकर, तिल–तिल जलती जिंदगी से मुक्ति पाता हुआ कर्जदार दूसरी दुनिया में चला जाता है।

उत्तर 12. (अ) गद्यांश में विराम चिन्हों का प्रयोग छात्र स्व–विवेक से करेंगे। 3+2=**(5)**

(ब) वाक्यों को शुद्ध करना।

1. उसने फूलों की एक माला पहनी है।
2. गांधीजी ईश्वर के सच्चे भक्त थे।

उत्तर 13. (अ) भ्रांतिमान तथा संदेह अंलकार में अन्तर – 2+3=**(5)**

भ्रांतिमान में एक वस्तु में दूसरी वस्तु का झूठा निश्चय हो जाता है। जबकि संदेह में अनिश्चय बना रहता है। तर्क–वितर्क की भावना बनी रहती है। भ्रांतिमान में हम स्वयं भ्रम दूर नहीं कर पाते जबकि संदेह में कर लेते हैं।

अथवा

विरोधाभास – जहाँ किसी पदार्थ, गुण या क्रिया में वास्तविक विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अंलकार होता है –

या अनुरागी चित्त की, गति समुझे नहीं कोय।
ज्यों–ज्यों बूढ़े श्याम रंग, त्यों–त्यों उज्जवल होय।।

(ब) घनाक्षरी छंद के प्रत्येक चरण में 23 वर्ण होते हैं। 8,8,8,8 पर यति और अन्त में गुरू–लघु (ऽ।) – आते हैं।

उदा0 नगर से दूर कुछ, गाँव की सी बस्ती एक,
हरे–भरे खेतों के, समीप अति अभिराम
जहाँ पत्र जाल अन्तराल से झलकते हैं।
लाल खपरैल श्वेत छज्जों के संवारे धाम।।

अथवा

मन्दाक्रान्ता छंद – यह छंद मगण, भगण, नगण दो तगण तथा दो गुरूओं के योग से बनता है। इसके प्रत्येक चरण में 17 वर्ण होते हैं। चौथे, दसवें और अठारहवें वर्ण पर यति होती है –

उदाहरण –

विधाता द्वारा सृजित जग में हो धरा मध्य आके, पाके खोये विभव कित प्राणियों ने अनेकों।
जैसा प्यारा विभव ब्रज के हाथ से आज खोया, पाके ऐसा विभव वसुधा में न खोया कभी।

उत्तर 14. कवि परिचय– रामधारी सिंह दिनकर –

रचनाएँ – उर्वशी, रश्मिरथी, कुरूक्षेत्र, हुंकार आदि **(5)**

भावपक्ष – प्रगतिवादी, शोषण के विरूद्ध स्वर, मजदूर –किसानों के प्रति सहानुभूति, ओज गुण, देशहित लोक कल्याण का भाव

कलापक्ष – भाषा – खड़ी बोली, तत्सम शब्द, शैली – ओज प्रधान छंद/अंलकार – कवित्त, सवैया कुछ नवीन छंद, प्रचलित सभी अंलकार।

अथवा

सूरदास :–

रचनाएँ – सूरसागर, सूरसारावली

1) भावपक्ष –

1. श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त। इनकी भक्ति सखाभाव की थी। अपने आराध्य की समस्त

बाल लीलाओं का पूर्ण तन्मयता से वर्णन किया है।

2. माता–यशोदा एवं पिता नंदबाबा के विविध भावों में यथार्थता और मार्मिकता का अनुभव होता है।

3. श्रृंगार एवं वात्सल्य के रससिद्ध कवि।

2) कलापक्ष – ब्रजभाषा लालित्य प्रधान,सरल, सरस एवं अत्यंत प्रभावशाली।

3) साहित्य में स्थान– सूर अष्टछाप के ब्रजभाषी कवियों में सर्वश्रेष्ठ है। बाल प्रकृति चित्रण, वात्सल्य एवं श्रृंगार में अद्वितीय। साहित्याकाश में सूर ही है।

उत्तर 15. लेखक परिचय – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – **(5)**

1. "निबंध संग्रह चिंतामणि भाग–1 एवं त्रिवेणी।

2. हिन्दी साहित्य

भाषा शैली – मनोभावों एवं संवेदनाओं के कुशल चितेरे।

साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग। गवेषणात्मक, आलोचनात्मक एवं भावात्मक शैलियों के दर्शन होते है।

3. साहित्य में स्थानः–उच्च कोटि के विद्वान, निबंधकार, सबल समीक्षक एवं साहित्यकार। आधुनिक हिन्दी आलोचकों एवं निबंधकारों में महत्त्वपूर्ण स्थान। हिन्दी गद्य साहित्य की महान विभूति थे।

अथवा

हरिशंकर परसाई :–

रचनाएं – व्यंग्य – 1. भूत के पाँव पीछे 2. सदाचार का ताबीज

कहानी – 1. हंसते है रोते है

उपन्यास – 1. नागफनी की कहानी, तट की खोज

भाषाशैली– भाषा सरल सुबोध होते हुए भी तीखे प्रहार करने में सक्षम है।

तत्सम, तद्भव शब्दों का प्रयोग लक्षणा एवं व्यन्जना के सहारे मूल भाव संम्प्रेषण करने में पारंगत।

रचनाओं में व्यंग्यात्मक, वर्णनात्मक उदाहरण एवं सूत्र शैली का प्रयोग।

साहित्य में स्थान – सूक्ष्म निरीक्षण दृष्टि तथा सशक्त अभिव्यक्ति के धनी। हिन्दी व्यंग्य साहित्य में प्रशंसनीय कार्य। व्यंग्यों के द्वारा समाज राष्ट्र मानवता के उत्थान में महान कार्य। हिन्दी जगत में चिरस्मरणीय रहेंगे।

उत्तर 16. पद्यांश की व्याख्या कीजिए – **(5)**

कविता का नाम – नीति के दोहे

कवि का नाम – कवि वृन्द

व्याख्या — स्वविवेक से।

अथवा

कविता का नाम — दुष्यंत की गजलें

कवि का नाम — दुष्यंत कुमार त्यागी।

व्याख्या — स्वविवेक से

उत्तर 17. गद्यांश की व्याख्या कीजिए — **(5)**

पाठ का नाम — धूपगढ़ की सुबह साँझ

लेखक — श्रीराम परिहार

व्याख्या — स्वविवेक से।

अथवा

पाठ का नाम — कोणार्क

लेखक का नाम — जगदीश चन्द्र माथुर

व्याख्या — स्वविवेक से।

उत्तर 18. शीर्षक—पुस्तकें सच्ची मित्र— अन्य मिलते जुलते शीर्षक भी स्वविवेक से लिखें। **(5)** अपठित से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर आसान है। छात्र अपठित अंश से स्वयं खोजकर लिखने का प्रयास करें।

उत्तर 19. छात्र प्रेषक, संबोधन आदि निर्धारित स्थान पर लिखें। औपचारिक, अनौपचारिक पत्रों को सही प्रारूप के आधार पर लिखा है या नहीं, इसका परीक्षण करें। **(5)**

उत्तर 20. निबंध में — भाषा, रूपरेखा, वाक्य विन्यास, विचार क्रम, अभिव्यक्ति, शब्द सीमा आदि के अनुसार मूल्यांकन करें। विचारों में मौलिका का समावेश अपेक्षित है। **(10)**

प्रश्न–पत्र ब्लूप्रिन्ट

BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

परीक्षा : हायर सेकण्डरी

कक्षा :– XI   **पूर्णांक :– 100**

विषय :– हिन्दी सामान्य   **समय : 3 घण्टे**

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्यांश की व्याख्या, सौन्दर्य बोधएवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
2.	**गद्य खण्ड –** अर्थग्रहण एवं विषयवस्तु पर प्रश्न	25	8	3	1	–	4
3.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास–** कहानी एवं एकांकी विकासक्रम	05	1	1	–	–	1
4.	**व्याकरण भाषा बोध –** भाषा बोध, शब्द निर्माण, उपसर्ग, प्रत्यय सन्धि, समास, विलोम, पर्यायवाची, भाव पलवन/भाव विस्तार, मुहावरे /लोकोक्तियाँ	20	8	3	–	–	3
5.	**अपठित बोध –** गद्यांश एवं पद्यांश	10	–	–	2	–	2
6.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
7.	**निबन्ध लेखन**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25)=5**	**10**	**05**	**01**	**16+5 = 21**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न-पत्र

हिन्दी सामान्य

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

निर्देश :–

1. आरंभ में दिये गये 1– 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल करें।
2. प्रश्न क्रमांक– 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न के लिए **5 अंक** (X5X5 = 25) निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रंमाक 6 से लेकर 15 तक के लिए **4 अंक** निर्धारित है।
4. प्रश्न क्रंमाक 16 से 20 तक के लिए **5 अंक** निर्धारित है।
5. प्रश्न क्रमांक 21 (निबंध लेखन) का उत्तर 250 शब्दों तक लिखने का प्रयास करें। जिसके लिए **10 अंक** निर्धारित है।

प्रश्न (1) वस्तुनिष्ट प्रश्नः–

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों के आधार पर कीजिए – 1X5X5 = 25

1. ....उपन्यास सम्राट के नाम से विख्यात है। (प्रेमचन्द्र/जयशंकर प्रसाद)
2. श्रीराम के बाल रूप का वर्णन............ ने किया है। (सूरदास/तुलसीदास)
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य के इतिहास को............भागों में विभक्त किया गया है। (चार/पांच)
4. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्वों को.......... कहते है। (अंलकार/समास)
5. भक्तिकालीन साहित्य में .... की आराधना की गई है। (ईश्वर/राजा)

प्रश्न 2. नीचे दिये गए वाक्यों के लिये सही विकल्प चुनिए–

1. "उलाहना" कविता में रमलू भगत प्रतीक है–
   (अ) निम्न वर्ग का (ब) उच्च वर्ग का
   (स) सामान्य वर्ग का (द) मध्य वर्ग का
2. भारतेन्दु युग का नामकरण किस साहित्यकार के नाम पर किया गया है।
   (अ) हरिश्चन्द्र (ब) जगदीश चन्द्र
   (स) रामचन्द्र (द) प्रेमचन्द्र
3. "अथ काटना कुत्ते का भइया जी को" रचना में तत्व की प्रधानता है–
   (अ) सरल वर्णन (ब) हास्य
   (स) व्यंग्य (द) हास्य व्यंग्य

4. कविता में प्रत्ययांत का अर्थ होता है–

(अ) प्रत्यय से अन्त हाने वाला (ब) प्रत्यय से शुरु होने वाला

(स) प्रत्यय के मध्य वाला (द) प्रत्यय के प्रारंभ और अंत वाला

5. "जिसका कोई शत्रु न हो" उसके लिए एक शब्द है–

(अ) शत्रुहीन (ब) अजातशत्रु

(स) अशत्रु (द) शत्रुवाला

प्रश्न 3. "क" स्तम्भ से "ख" स्तम्भ का मिलान कर सही जोड़ी बनाइये –

क स्तंभ	ख स्तंभ
1. धर्म की झांकी	1. शिक्षा
2. विवेकानंद	2. आत्मकथा
3. "गिरी" प्रत्यय	3. अंलकार
4. इबादत	4. कुलीगिरी
5. उपमा	5. पूजा

प्रश्न 4. एक शब्द में उत्तर दीजिए –

1. महादेवी वर्मा का संस्मरण किस के जीवन से सम्बन्धित है ?
2. माखन लाल चतुर्वेदी ने 'उलाहना' कविता में किसे उलाहना दिया है ?
3. मिठाईवाला बच्चों के लिए क्या लाता था ?
4. बिहारी ने अपनी रचना किस छंद में की हैं ?
5. तुलसीदास के आराध्य कौन से देवता थे ?

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य कथन छाँटिए –

1. वे शब्द जो शब्दांश के अन्त में लगकर शब्द के अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं। प्रत्यय कहलाते है। (सत्य/असत्य)
2. सूरदास ने राम की सम्पूर्ण लीलाओं का वर्णन किया है। (सत्य/असत्य)
3. "राजेन्द्र बाबू" महादेवी वर्मा द्वारा लिखित अविस्मरणीय संस्मरण है। (सत्य/असत्य)
4. एकांकी का सामान्य अर्थ है "एक अंक वाला"। (सत्य/असत्य)
5. ऐसे शब्द जो परस्पर समान अर्थ का बोध कराते है, विलोम शब्द कहलाते है। (सत्य/असत्य)

प्रश्न 6. अ – राजेन्द्र तथा विद्यालय शब्द की संधि विच्छेद कीजिये 4

ब – निम्नलिखित का समास विग्रह कीजिये

(1) कमल मुख, (2) माता पिता

प्रश्न 7. अ – "ता" तथा "पन" प्रत्यय लगाकर एक–एक शब्द बनाईये। 4

ब – सम्पन्न एवं नीति शब्द का विलोम लिखिये।

स – आनंद एवं "ईश्वर" शब्द के पर्यायवाची लिखिए

द – "प्रति" एवं "परा" उपसर्ग लगाकर एक–एक शब्द बनाईये।

प्रश्न 8. अ – निम्नलिखित का भाव पल्लवन कीजिये 4

''रूपया तुमने नहीं खाया रूपया तुम्हें खा गया''।

ब – निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(1) आकाश के तारे तोड़ना (2) कमर कसना

प्रश्न 9. कहानी की परिभाषा लिखिये तथा प्रमुख तत्वों का उल्लेख करते हुए दो प्रमुख कहानीकारों के नाम लिखिये। 4

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने भागों में बाँटा गया है प्रत्येक का नाम सन् तथा एक–एक कवि का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 10. तुलसीदास के अनुसार जीवन का सर्वोत्तम फल क्या है? 4

अथवा

अपना देश संवारे कविता में कर्म को कवि ने किन रूपों में व्यक्त किया है?

प्रश्न 11. बिहारी ने अपने दोहों के माध्यम से सज्जन के प्रेम की क्या विशेषताएं बताई है? 4

अथवा

माखन लाल चतुर्वेदी जी ''उलाहना'' कविता के माध्यम से अमीरों से उनके जीवन में किस तरह के परिवर्तन की आकांशा करते है?

प्रश्न 12. आग में पड़ी धरती से कवि का क्या आशय है? 4

अथवा

नई इबारत कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

प्रश्न 13. सिद्ध कीजिये कि दो बैलों की कथा अपने उद्देश्य में पूर्णतया सफल कहानी है? 4

अथवा

मिठाईवाला कहानी के आधार पर मिठाई वाले की चरित्रगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

प्रश्न 14. शक्तिसिंह के स्वभाव में परिवर्तन क्यों आया। 4

अथवा

राजेन्द्र बाबू की सह धर्मिणी के गुणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 15. गांधीजी की दृष्टि में सर्वधर्म समभाव का उदय किन प्रसंगों की प्रेरणा से हुआ था। 4

अथवा

कुंभाराम स्वयं को आस्तिक क्यों मानता था?

प्रश्न 16. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए – 5

मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम
जिस पर नीलम नम आच्छादन
निरूपम हिमांत से स्निग्ध–शांत
निज शोभा से हरता जन–मन।।

अथवा

अधर धरत हरि कै परत, ओठ–दीठि–पट–जोति।
हरित बाँस की बाँसुरी, इन्द्र धनुष रंग होति।।

प्रश्न 17. "शिक्षा" पाठ के आधार पर शिक्षा के संबन्ध में स्वामी विवेकानंद के विचार स्पष्ट कीजिए। 5

प्रश्न 18. अधोलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5

वन– उपवन पनप गए सब।
कितने नव अंकुर आए।
वे पीले–पीले पल्लव
फिर से हरियाली लाए।
वन में मयूर अब नाचें।
हँस–हँस आनन्द मनाएं
उनकी छवि देख रही है
नभ से घनघोर घटाएं

प्रश्न– 1. उक्त पद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए?

प्रश्न– 2. मोर अपनी प्रसन्नता किस प्रकार व्यक्त करता है?

प्रश्न– 3. आकाश से बरसाती बादल कौन सा दृश्य देख रहे हैं ?

प्रश्न 19. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 5

"संस्कार ही शिक्षा है। शिक्षा मानव को मानव बनाती है। आज के भौतिकवादी युग में शिक्षा का मुख्य उद्‌देश्य सुख पाना रह गया है। अंग्रेजों ने इस देश में अपना शासन व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए ऐसी शिक्षा को उपयुक्त समझा किन्तु यह विचार धारा हमारी मान्यता के विपरीत है। आज की शिक्षा प्रणाली एकाकी है, उसमें

व्यावहारिकता का अभाव और काम के प्रति निष्ठा नहीं है। प्राचीन शिक्षा प्रणाली में आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक जीवन की प्रधानता थी। यह शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं जीवन को सही दिशा प्रदान करने के लिए भी थी। अतः आज के परिवेश में यह आवश्यक हो गया है कि इन दोषों को दूर किया जाए। अन्यथा यह दोष हमारे सामाजिक जीवन को निगल जाएगा।

प्रश्न–1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ?

प्रश्न–2. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न–3. भौतिक वादी युग से क्या तात्पर्य है।

प्रश्न–4. वर्तमान शिक्षा प्रणाली को दोषपूर्ण क्यों कहा गया है?

प्रश्न 20. अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद–पत्र लिखिए? 5

अथवा

चुनाव के दिनों में आपके शहर की दीवारें नारें लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई है। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी समाचार–पत्र के संपादक को पत्र लिखिए?

प्रश्न 21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

1. पराधीन को सुख नहीं।
2. प्रदूषण– एक समस्या।
3. शिक्षक एवं शिक्षार्थी।
4. जल संरक्षण आज की आवश्यकता।

आदर्श उत्तर

हिन्दी सामान्य

कक्षा – XI

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

उत्तर 1. अ. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये–

1. प्रेमचन्द्र
2. तुलसीदास
3. चार
4. अंलकार
5. ईश्वर

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन कीजिये –

1. अ
2. अ
3. द
4. अ
5. ब

उत्तर 3. सही जोड़ी मिलान कीजिए–

1. धर्म की झाँकी – 1. आत्मकथा
2. विवेकानन्द – 2. शिक्षा
3. "गिरी" प्रत्यय – 3. कुली गिरी
4. इबादत – 4. पूजा
5. उपमा – 5. अंलकार

उत्तर 4. एक शब्द में उत्तर दीजिये –

1. डॉ राजेन्द्र प्रसाद
2. उच्चवर्ग
3. मिठाई
4. दोहा
5. श्रीराम

उत्तर 5. द. सत्य/असत्य का चयन किजिये।

1. सत्य, 2. असत्य, 3. सत्य, 4. सत्य 5. असत्य

उत्तर 6. अ. संधि विच्छेद – (1) राजेन्द्र – राज+इन्द्र = राजेन्द्र (गुण संधि)

(2) विद्यालय – विद्या+आलय = विद्यालय (दीर्घ संधि)

ब. समास विग्रह – (1) कमल मुख – कमल जैसा मुख – (कर्मधारय समास)

(2) माता पिता – माता और पिता (इन्द्व समास)

उत्तर 7. अ. **प्रत्यय–**

ता –सफलता, विफलता

पन –बचपन, लड़कपन

ब. **विलोम शब्द–** सम्पन्न – विपन्न

नीति – अनीति

स. **पर्यावाची शब्द**– आनंद – प्रसन्न, हर्ष, प्रमोद।

ईश्वर– भगवान, ईश, परमेशर।

द. **उपसर्ग** – प्रति – प्रतिकूल, प्रतिनिधि।

परा–पराजय, पराक्रम आदि।

उत्तर 8. अ – भाव पल्लवन – "रुपया तुमने नही खाया, रुपया तुम्हें खा गया"।

इस पंक्ति के माध्यम से इस कहावत को चरितार्थ किया गया है कि बाप बड़ा न भइया सबसे बड़ा रुपया। आज मनुष्य का जीवन केन्द्रवत हो गया है उसके जीवन का प्रमुख लक्ष्य धन कमाना बन गया है मनुष्य धन बनाने की मशीन जैसा हो गया है। जीवन का वास्तविक आनंद विलुप्त सा हो गया है जीवन में सुख–दुःख, परोपकार, न्याय–नीति, वात्सल्य, प्रेम, वीरता एवं देश भक्ति के भाव के लिए कोई स्थान नहीं रह गया है केवल हाय, हाय करना रह गया है। कहने का तात्पर्य यह है कि "रुपया तुमने नहीं खाया, रुपया तुम्हें खा गया।" अर्थात धन नष्ट नहीं हुआ बल्कि तुम्हारा चरित्र नष्ट हो गया।

ब – मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग –

1. आकाश के तारे तोड़ना – अर्थ– अंसभव कार्य करना।

प्रयोग – प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करना आकाश के तारे तोड़ने के समान है।

2. कमर कसना – अर्थ– दृढ़ निश्चय करना।

प्रयोग– भारत ने पाकिस्तान को मैच में हराने के लिए कमर कस ली।

उत्तर 9. जो कुछ कहा जाए वही कहानी है। कहानी वास्तविक जीवन की ऐसी काल्पनिक कथा है, जो छोटी होते हुए पूर्ण और सुसंगठित होती है? कहानी के निम्नलिखित तत्व है?

1. कथानक
2. पात्र या चरित्र चित्रण
3. संवाद अथवा कथोप–कथन
4. देशकाल
5. भाषा शैली
6. उद्‌देश्य

दो प्रमुख कहानीकार – प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद यशपाल आदि।

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास को चार भागों में बाँटा गया है।

1. वीरगाथा काल – स. 1050 – 1375
2. भक्तिकाल – स. 1375 – 1700
3. रीतिकाल – स. 1700 – 1900
4. आधुनिक काल – स. 1900 – अब तक

प्रत्येक के एक–एक कवि –

1. चन्द बरदायी, नरपति नाल्ह 2. सूरदास, तुलसीदास कबीर, जायसी
3. बिहारी, भूषण 4. प्रसाद, पन्त, निराला

उत्तर 10. तुलसी के अनुसार जीवन का सर्वोत्तम फल राम के बाल रूप और बाल मनोविनोद से अनुराग रखना है।

अथवा

"अपना देश संवारे" कविता में कवि ने नव युवकों को कर्म पथ पर सतत् चलने का व्रत ले कर चुनौतियों का सामना करने पर बल दिया है। कवि का कथन है कि अपने कार्य के माध्यम से व्यक्ति, समता, मानवता एवं बाधा रहित मार्ग को प्रशस्त करे तथा देश की उन्नति में योगदान दे।

उत्तर 11. बिहारी ने अपने दोहों के माध्यम से सज्जन के प्रेम को चमकदार एवं स्थायी प्रभाव वाला बताया है। सज्जनों का प्रेम रंगीन कपड़ों के समान होता है। जो फटने के बावजूद रंग नही छोड़ता है।

अथवा

माखनलाल चतुर्वेदी जी ने अमीरों से अपेक्षा की है कि वे जन सामान्य के दुख–दर्द का अनुभव करे, छोटों के साथ घुल–मिलकर जीवन जिंए तथा अपनी शक्तियों का उपयोग कुटिया में रहने वालों के लिए करें जिससे समाज का समग्र विकास हो सके।

कवि ने क्रांतिकारियों के बलिदान को स्मरण करने तथा विकास के कार्यो में हाथ बटाने का भी अमीरों से आग्रह किया है।

उत्तर 12. आग में पड़ी धरती से कवि का तात्पर्य यह है कि शासक अभिचारी और विलासी हो गया है वह अपना प्रजाहित में कार्य न कर केवल तलवार की ताकत से अंतिम सत्ता को सुरक्षित रखता है। ऐसे निरंकुश शासक का प्रतिकार कवि, कलाकार एवं उज्जवल चरित्र के धनी, ज्ञानी व्यक्ति ही कर सकते है। जब तक चरित्रवान कलाकारों और

बुद्धिमानों का समाज में सम्मान नहीं होगा तब तक आग में पड़ी धरती कराहती रहेगी और उसका भार कम नहीं होगा।

अथवा

नई इबारत कविता के माध्यम से कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने व्यक्ति को निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। निष्क्रीय रहने के कारण हमारा जीवन अर्थ पूर्ण नहीं हो पाता है कुछ रचते हुए और कर्मरत रहकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। प्रकृति की कर्मशीलता से प्ररेणा लेकर जीवन में कठिनाईयों का सामना दृढ निश्चय से करते हुए आगे बढना ही श्रेयस्कर है इसी में जीवन की सार्थकता है। इस प्रकार निरन्तर कार्यशील होने के महत्व को कवि ने प्रतिपादित किया है।

उत्तर 13. दो बैलों की कथा प्रेमचन्द्र की मार्मिक कहानी है। प्रेमचन्द्र जी ने इस कहानी के माध्यम से मानवीय आचरण और अनुभूति को मनुष्य एवं पशुओं में समान रूप से चित्रित किया है। कहानीकार यह बताने में सफल रहा है कि सामान्य मनुष्य की तरह पशुओं में हर्ष विषाद, सुख–दुख और अपने पराए की अनुभूति होती है। हीरा और मोती नाम के दो बैलों के माध्यम से कथाकार ने मनुष्य और पशु के बीच संवेदना स्थापित की है तथा जीवन मूल्यों का विस्तार किया है।

अथवा

मिठाई वाले की चारित्रिक विशेषताएं निम्नानुसार है–

1. संवदेनशीलता 2. सर्मपणशीलता 3. वात्सल्यता

4. विनम्रता 5. संघर्षशीलता 6. आत्मीयता

उत्तर 14. शक्तिसिंह के स्वभाव में परिवर्तन परिस्थिति वश आया है। शक्तिसिंह स्वभावतः देश के प्रति निष्ठा न रखने वाले व्यक्ति थे। किन्तु महाराणा प्रताप के अद्‌भुत संघर्ष, देश भक्ति का उत्कृष्ट भाव, पराक्रम को देखकर शक्तिसिंह को अपनी कायरता एवं गद्‌दारी से ग्लानि हुई तथा उसने अपने स्वभाव के विपरीत अपने भाई महाराणा प्रताप की जीवन रक्षा के लिये अपना संकल्प बदल दिया।

अथवा

राजेन्द्र बाबू की सहधर्मिणी एक सामान्य महिला के रूप में कार्य करती थी। रसोई घर में स्वयं खाना पकाती थी। सभी को खाना खिलाती थी तथा अन्त तक सामान्य भारतीय गृहिणी के समान पति, परिवार तथा परिजनों को खिलाने के उपरान्त स्वयं ग्रहण करती थी।

उत्तर 15. गांधी जी की दृष्टि में सर्वधर्म सद्भावना का उदय उनके उदार पारिवारिक वातावरण के कारण हुआ। उसमें से कुछ प्रसंग इस प्रकार है –

1. उनके घर में रामायण का पारायण होता था।
2. एकादशी के दिन व्रत रखा जाता था।
3. राजकोट में सब सम्प्रदायों के प्रति समान भाव रखने की प्रेरणा मिलती थी।
4. उनके माता–पिता वैष्णव मंदिर शिवालय में और राम मंदिर में भी जाते थे।
5. गांधीजी के पिता के मुस्लिम एवं पारसी मित्र भी थे।

इन्हीं कारणों से गांधीजी में सर्वधर्म समभाव का उदय हुआ।

अथवा

कुंभाराम प्रतिदिन सुबह स्नान करके मंदिर जाता। सारे रास्ते में जोर–जोर से चिल्लाकर श्लोक पढ़ता था। उसने जंगल की ठेकेदारी की कमाई से गांव में मंदिर व एक धर्मशाला का निर्माण कराया था। इसके अलावा उसके गले पर तुलसी की ढेर सारी माला, माथे पर चंदन का तिलक लगा रहता था। इन्हीं कारणों से कुंभाराम स्वयं को आस्तिक मानता था।

उत्तर 16. **पद्यांश की व्याख्या –** संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां प्रकृति के सुकुमार कवि श्री सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित "ग्राम–श्री" पाठ से अवतरित हैं।

प्रसंग– इन पंक्तियों में ग्राम के सौन्दर्य का सजीव वर्णन किया गया है।

व्याख्या – पन्त जी का कथन है कि नील मणि के डिब्बे के समान खुला सुन्दर सा ग्राम नीले आसमान से आच्छादित है। गाँव सुन्दर बर्फ के समान कोमल शांत अपने आप में स्वयं की सुन्दरता को समेटे हुए ग्रामीण जन को लुभाने वाला सा प्रतीत होता है।

अथवा

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश प्रसिद्ध कवि बिहारी द्वारा रचित ''बिहारी के दोहे'' से अवतरित किया गया है।

प्रसंग– इन पक्तियों में कवि ने श्रीकृष्ण की बांसुरी के बदलते स्वरूप का वर्णन किया है।

व्याख्या– श्रीकृष्ण जब अपने ओठों पर हरे बांस की बासुरी को रखते है तब वह बांसुरी इन्द्र धुनष के समान प्रतीत होती है।

प्रश्न 17. **गद्यांश की व्याख्या –** स्वामी विवेकानन्द ने शिक्षा के स्वरूप और उसके उद्देश्य को मोलिक रूप से व्यक्त किया है उनका मानना है कि विश्व का असीम ज्ञान मनुष्य के मन में समाहित है और शिक्षा इसी ज्ञान का अनावरण करती हैं। शिक्षा सकारात्मक सोच को जगाती है और यह सोच ही मनुष्य की प्रतिष्ठा का आधार है। शिक्षा जीवन

निर्माण और चरित्र निर्माण में विशेष सहायक है। स्वामी विवेकानंद की दृष्टि में शिक्षा मानसिक बल बढ़ाकर बुद्धि का विकास करती है।

उत्तर 18. अपठित पद्यांश –

1. उचित शीर्षक – ''पावस ऋतु'' या ''वर्षा ऋतु'' अथवा इससे मिलता जुलता कोई अन्य शीर्षक हो सकता है।
2. मोर अपनी प्रसन्नता नृत्य करके व्यक्त करता है।
3. आकाश से बरसाती बादल वन–उपवन में नए अंकुरों पीले–पीले पत्तों, हरियाली तथा मोर के सुन्दर नृत्य का दृश्य देख रहे हैं।

उत्तर 19. अपठित गद्यांश –

1. उचित शीर्षक – शिक्षा या अन्य कोई मिलता जुलता शीर्षक हो सकता है।
2. शिक्षा हमें सम्पूर्ण मानव बनाती है आज की शिक्षा प्रणाली में समग्रता का अभाव है तथा एकाकी पन को बढ़ावा देने का भाव है। आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा नौकरी का माध्यम न हो कर ज्ञान और विवेक का माध्यम बने।
3. भौतिक वादी युग से तात्पर्य सुख पाना मात्र रह गया है।
4. वर्तमान शिक्षा प्रणाली हमें सम्पूर्ण मनुष्य न बनाकर केवल नौकरी पाना तक ही सीमित कर देती है। इसलिए वर्तमान शिक्षा प्रणाली को दोषपूर्ण कहा गया है।

उत्तर–20. पत्र लेखन अथवा आवेदन पत्र।

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ पर सानंद हूँ आशा है तुम भी कुशलतापूर्वक होगे। मेरे जन्मदिन पर तुम्हारे द्वारा दिया गया उपहार प्रेमचन्द जी का साहित्य देखकर हमारे सभी मित्र बहुत प्रसन्न हुए इस उपहार की उन्होंने खुलकर प्रशंसा की, मुझे भी तुम्हारा उपहार प्रेरणादायक लगा क्योंकि प्रेमचन्द जी का साहित्य हमारे लिये अनोखा और आश्चर्य जनक था।

मेरे माता–पिता भी तुम्हारे इस उपहार को देखकर अत्यधिक प्रसन्न हुए और तुम्हारी इस रूचि की उन्होंने बहुत सराहना की। मैं हृदय से तुम्हें धन्यवाद देता हूँ।

अपने माताजी– पिताजी को मेरा प्रणाम। छोटू एवं पिंटू को प्यार।

तुम्हारा मित्र

अ.ब.स

प्रति,

राकेश भार्गव

3/17 तुलसी नगर, भोपाल

अथवा

प्रति,

सम्पादक महोदय,

दैनिक...........

जबलपुर(मध्यप्रदेश)

महोदय,

निवेदन है कि आप अपने लोकप्रिय समाचार पत्र में मेरी इस समस्या को प्रकाशित करने की कृपा करे। प्रायः देखा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दल चुनाव के द्वारा निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पूर्णतया पालन नही करते। शहर की सुन्दरता को स्थान–स्थान पर नारे लिखकर तथा पोस्टर चिपका कर गंदा कर देते है। सुन्दर सी दीवारों पर बद्नुमा धब्बे देख कर मन खिन्न हो जाता है। सुन्दर शहर को इस तरह से गंदा करने की प्रवृत्ति निश्चित रूप से सही नहीं है।

अतः आपके समाचार पत्र के माध्यम से शासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ कि नारे लिखना एवं पोस्टर चिपकाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें।

धन्यवाद।

दिनांक –

भवदीय

अ.ब.स

उत्तर 21. निबन्ध लेखन के अन्तर्गत मौलिकता को ध्यान में रख कर दिये गये बिन्दुओं के आधार पर छात्र विस्तार देने का प्रयास करेंगे।

1. विषय की प्रस्तावना।
2. विषय का महत्त्व।
3. विषय में सम्भावनाएं।
4. विषय का विस्तार।